

Sl. No. 13534A

Unique Paper Code: 2304100028

Name of the Paper: **Sociology of Peace and Conflict**

Name of Course: GE : Sociology

Semester: VII

Time: 3 hours

Maximum marks: 90

Instructions for Candidates

1. Attempt any **four** questions.
2. All questions carry equal marks.
3. Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं। लेकिन पूरे पेपर में माध्यम वही होना चाहिए।

1. Discuss the relationship between peace and conflict? Why is it important to critically question conventional ideas of peace?

शांति और संघर्ष के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए। पारंपरिक शांति की धारणाओं पर समालोचनात्मक (critically) प्रश्न उठाना क्यों महत्वपूर्ण है?

2. In what ways does a “culture of peace” integrate economic, social, cultural, and moral dimensions into peacebuilding?

“शांति की संस्कृति” (Culture of Peace) किस प्रकार आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक आयामों को शांति निर्माण (peacebuilding) की प्रक्रिया में समाहित करती है?

3. What does it mean to say that “femininity as such is not inherently peaceful”? Elaborate with suitable examples from the text.

“स्त्रीत्व (Femininity) स्वभावतः शांतिपूर्ण नहीं है”: इस कथन का क्या अर्थ है? पाठ के उपयुक्त उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए।

4. How can the idea that “conflict prevents ossification” be applied to contemporary organisations or political systems?

“संघर्ष ठहराव (ossification) को रोकता है”: इस विचार को समकालीन संगठनों या राजनीतिक प्रणालियों पर किस प्रकार लागू किया जा सकता है?

5. What is Cultural Violence? How can the “violence triangle” be applied to analyse a specific conflict or system of oppression?

सांस्कृतिक हिंसा (Cultural Violence) क्या है? “हिंसा त्रिभुज” (Violence Triangle) को किसी विशिष्ट संघर्ष या दमन की प्रणाली के विश्लेषण में किस प्रकार लागू किया जा सकता है?

6. How does Veena Das’s concept of the ‘everyday’ as a site of repair help us understand the strategies of survival and healing among Jopadhola women?

वीना दास (Veena Das) की ‘दैनिक जीवन’ (everyday) को मरम्मत (repair) के स्थल के रूप में देखने की अवधारणा हमें जोपाधोला (Jopadhola) महिलाओं की जीवित रहने और उपचार की रणनीतियों को समझने में किस प्रकार सहायता करती है?

7. How do creative and digital pedagogies transform the ways *difficult knowledges*—such as histories of violence, marginalisation, or injustice—are communicated and experienced collectively?

रचनात्मक (creative) और डिजिटल शिक्षण-पद्धतियाँ (pedagogies) हिंसा, हाशियाकरण या अन्याय जैसे कठिन ज्ञान (difficult knowledges) को सामूहिक रूप से संप्रेषित और अनुभव किए जाने के तरीकों को किस प्रकार रूपांतरित करती हैं?